

delivery of Health Care services in these centres is the sole responsibility of State/U. T. Governments.

There is no proposal for independent monitoring, or evaluation of P. H. Cs. for the time being. However, during the Eighth Five Year Plan the main thrust would be to consolidate the health centres already established in the States/U. Ts., so that effective services are provided to the rural population.

#### Marketing of 'SELECT' Capsules

587. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state;

■ (a) whether Government are aware that M/s. Vasu Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Vadodara are advertising and marketing a capsule called "SELECT" claiming that only male children are borne by taking this capsule;

(b) whether Government have permitted the manufacture and advertisement of this product after due testing and if so, the details of trials conducted; and

(c) if not, whether Government propose to take suitable corrective steps in the matter?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI DASAI CHOW-DHARY): (a) to (c) Food and Drugs

administration, Gujarat States Government had earlier permitted M/s. Vasu Pharmaceuticals Pvt. Ltd\* Baroda to manufacture 'Select' A & B Capsules as Ayurvedic medicines. -

Food and Drug, Administration Gujarat has since withdrawn the Permission. The manufacturer has stopped the production.

#### केंद्रीय संस्कृत मंडल की बैठकें

588. श्री लक्ष्मण लाल शर्मा : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय संस्कृत मंडल की बैठकें कब-कब हुई हैं इसकी अगली बैठक कब होने वाली है ; और

(ख) इन बैठकों में केन्द्रीय संस्कृत मंडल ने अपने अध्यक्ष के निर्देशन में क्या-क्या सुझाव दिये थे और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री राजभंगल पाण्डेय) : (क) केन्द्रीय संस्कृत मंडल (संस्कृत बोर्ड) की गत बैठकें 17 जुलाई, 1984, 17 जनवरी, 1986, 4 जुलाई, 1989, 15 सितम्बर 1989 व पहली सितम्बर, 1990 को आयोजित की गयी थीं। अगली बैठक की तिथि अभी तक निर्धारित नहीं की गयी है।

(ख) इन बैठकों में केन्द्रीय संस्कृत मंडल द्वारा दिये गये सुझावों व उन पर की गयी कार्रवाई से संबंधित विवरण साथ में संलग्न है।

#### विवरण

केन्द्रीय संस्कृत मंडल द्वारा दिए गए सुझाव तथा उन पर की गई कार्यवाही

#### सुझाव

#### की गई कार्यवाही

1. श्रीलाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली व केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति को विश्व-विद्यालयवत् के रूप में घोषित करना।

1. दोनों केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों को पहले ही 1987 में विश्वविद्यालय समझे जाने वाला संस्थान घोषित कर दिया गया है।